परामर्श प्रमुख

श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद
डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली

प्रधान संपादक
सिंघई राजेन्द्र जैन, 9407453066

सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884

कोषाध्यक्ष -
सुधेश कुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलंचद जैन, 9329524227

(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
आजीवन शुल्क (अ.जा.)	1100/-
सहयोग राशि	500/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC Code: SBIN0030134 में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके। नोट - 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	3000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	200/-

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु गोलालारीय दर्शन 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर अथवा श्री राजेन्द्रकुमार जैन हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड़, इन्दौर पर भेंजे।

मुनि श्री समकित सागर जी महाराज का 25 वाँ समाधि दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया

शांतिकुमार जैन, गंजबासौदा। मुनि श्री समकित सागर जी महाराज का 25वां समाधि दिवस 26 जून 2016 जैन नसियाँ, भिण्ड में श्रद्धापूर्वक मनाया गया। मुनि श्री समकित सागर जी महाराज का गृहस्थ जीवन गंज बासौदा (विदिशा) म.प्र. में व्यतीत हुआ। आपका जन्म सिलगन (ललितपुर) उ.प्र. में हुआ था। अल्प आयु में ही आपके सिर से पिता का साया उठ गया था। आपके गृहस्थ जीवन की पाँच पुत्र व दो पुत्रियाँ है। मुनि श्री के गृहस्थ जीवन का नाम पं. सुन्दरलालजी शास्त्री था। आपने आचार्य देशभूषणजी से वर्ष 1977 में दूसरी प्रतिमा एवं वर्ष 1979 को तीसरी प्रतिमा व्रत मुनिश्री श्रेयांससागरजी वर्धा वालों से लिया था। 3 जनवरी 1982 को राजस्थान में आचार्य धर्मसागरजी महाराज से 7वीं प्रतिमा ब्रह्मचर्य के व्रत अंगीकार किया व वर्ष 1984 में आचार्य धर्मसागरजी महाराज के अजमेर चातुर्मास में 4 अक्टूबर को मुनि दीक्षा ग्रहण की और इस तरह पं. सुन्दरलालजी शास्त्री से आपका नाम मुनि श्री समकितसागरजी महाराज हो गया। आप बचपन से ही धार्मिक सतयुगी शांत एवं सरल स्वभाव के थे। आपकी तीर्थ वन्दना में काफी रुचि रही है आपकी 26 जून 1991 में जैन नसियाँ, भिण्ड में समाधि हुई। मुनि श्री जी के समाधि दिवस पर पुत्रों द्वारा भिण्ड की जैन नसियाँ में अभिषेक, शांतिधारा, शांति विधान कर विनयांजलि समर्पित की। 25 वें समाधि दिवस के अवसर पर जैन नसियाँ, भिण्ड में नव निर्मित संत निवास के लिए मुनि श्री के गृहस्थ जीवन की धर्मपत्नि श्रीमति कमलाबाई व उनके सुपुत्रों के द्वारा 51 हजार रुपये की राशि संत निवास में एक कमरा निर्माण करने हेतु प्रदान की गयी। यहीं पर वर्ष 2003 में मुनि श्री समकित सागर जी महाराज के चरण स्थापित करने व छत्री का निर्माण भी आपके परिवार द्वारा कराया गया था।

श्रुत पंचमी साआनंद संपन्न

विशाल जैन, पवा। नगर के पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में श्रुतपंचमी महापर्व आचार्य प्रवर विद्यासागरजी महाराज की परम प्रभावक शिष्या आर्यिका रत्न 105 पूर्णमति माताजी के ससंघ मंगलमय सान्निध्य में मनाया गया। सुबह नित्य अभिषेक पूजन के उपरांत आत्म कल्याण एवं विश्व शांति की पावन भवना के साथ शांतिधारा एवं ज्ञानवर्धक श्रुत स्कंध विधान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आर्यिका पूर्णमति माताजी ने कहा कि श्रुत का आशय तल्लीन होकर सुनना है, सत् साहित्य सुनने से बुद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है, स्वाध्याय से विवेक जागृत होता है। माताजी ने श्रुत पंचमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें उच्चारण नहीं उच्च आचरण करना चाहिए क्योंकि चर्चा नहीं हमारी चर्या महत्वपूर्ण है, जहां सच्चे संत होते हैं, वहां सतयुग होता है। नश्वर जीवन में शाश्वत सुख को पाने के लिए स्वाध्याय बहुत जरूरी है, टीवी, इंटरनेट से संवेदनशीलता और संस्कार नष्ट होते जा रहे है। सच्चे साधु कभी देवों से याचना नहीं करते वह तो आत्म कल्याण की साधना करते हैं। माताजी ने पुष्पदंत और भूतबलि मुनिश्वर के षट्खण्डागम ग्रंथ की रचना से संदर्भित कथा सुनायी जो श्रुतपंचमी के दिन पूर्ण हुआ था। अंत में मां जिनवाणी की भव्य शोभा यात्रा निकाली गयी जिसमें तैलीय चित्रों की झांकी के पीछे आर्यिका संघ, बग्गी में सवार धर्मग्रंथों को लेकर श्रद्धालु एवं सत्य अहिंसा के नारे लगाते हुए धर्मावलम्बी चल रहे थे। जुलूस बाजार से डाकखाने के रास्ते रामलीला मैदान से होता हुआ वापस मंदिर पहुंचा। संजय नीरजा चौधरी ने आर्यिका माताजी को शास्त्र भेंट किया। सायंकाल की बेला में गुरुभक्ति, मंगल आरती, प्रश्न मंच के बाद शास्त्र सजाओ एवं फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संचालन पूर्व पार्षद चक्रेश जैन एवं आभार व्यक्त राजीव मिठ्या ने किया।

बधाईयाँ

वीरांगना लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस पर ''बुंदेलखण्ड विकास परिषद'' झाँसी के गरिमामय समारोह में संसद श्री भागीरथ प्रसादजी ने पत्रकार **श्री प्रवीण कुमार जैन** (दैनिक विश्व परिवार) को वर्ष 2016 के लिए **''बुंदेलखंड गौरव''** से सम्मानित किया।

संस्कारधानी जबलपुर की साहित्यिक सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था वर्तिका द्वारा मंडला निवासी **श्रीमति अर्चना जैन** को उनके द्वारा काव्य जगत में किए गए उल्लेखनीय योगदान के लिए **''वर्तिका राष्ट्रीय काव्य गौरव अलंकरण''** से विभूषित किया गया है आपकी इस उपलब्धि पर गोलालारीय दर्शन परिवार की और से हार्दिक शुभकामनाएं।

श्रीमति अंकिता संजय पवैया को उनके अंग्रेजी साहित्य में किए गए शोध पत्र fiction of Arun joshi a study in contemporary issues पर बरकत्तउल्ला विश्व विद्यालय भोपाल द्वारा पी. एच.डी उपाधि प्रदान की गई है

शतरंज खिलाड़ी **कु. नित्यता जैन** को उनकी उपलब्धियों के लिए माँ प्रभादेवी सम्मान से सम्मानित किया गया। भोपाल में आयोजित जन परिषद के कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल केसरीनाथ त्रिपाठी ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष पहलाज निहलानी, मिसेज यूनिवर्स रुबी यादव, अंतर्राष्ट्रीय नृत्यांना रानी खानम उपस्थित थे।

गुजरात के सूरत में 2 जून को आयोजित राज्य स्तरीय टेनिस स्पर्धा में **मा. मनन जैन** ने अंडर-12 वर्ग में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। मा. मनन श्री जिनेन्द्र कुमार जैन ''दुमदुमा'' के पौत्र व श्री प्रवीण शलिनी जैन अहमदाबाद के सुपुत्र है।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक बधाईयाँ।